www.sgbauonline.com

M.A. (Part—I) Semester—II (New) Examination

HINDI

(Kavyashastra Ewam Sahityalochan)

Paper—3

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 80

1. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिये : 2×16=32

   (क) प्लेटो के काव्य-सिद्धांत की व्याख्या कीजिये।

   (ख) अरस्तू द्वारा प्रतिपादित अनुकरण सिद्धांत की विवेचना कीजिये।

   (ग) लौंजाइनस के औदात्य सिद्धांत का परिचय दीजिये।

   (घ) टी.एस. इलियट द्वारा प्रस्तुत निर्वैयक्तिकता के सिद्धांत को समझाइये।

2. स्वच्छंदतावाद की प्रमुख विशेषताओं का निरूपण कीजिये। 16

   अथवा

   अभिजात्यवाद का परिचय दीजिये।

3. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किसी **चार** के उत्तर लगभग **15-20** पंक्तियों में दीजिये : 4×4=16

   (1) संरचनावाद से आप क्या समझते हैं ?

   (2) विखंडनवाद की विशेषताओं को रेखांकित कीजिये।

   (3) समाज शास्त्रीय आलोचना की विशेषताएं लिखिये।

   (4) मनोविश्लेषणवादी आलोचना की मूल अवधारणा क्या है ?

   (5) प्रभाववादी आलोचना पर टिप्पणी लिखिये।

   (6) उत्तर आधुनिकतावाद को समझाइये।

4. निम्नलिखित अतिलघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशानुसार लिखिये : 1×16=16

   (1) 'द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद' की विचारधारा किस सिद्धांत के अंतर्गत आती है ?

      (i) संरचनावाद

      (ii) मार्क्सवाद

      (iii) विखंडनवाद

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(2) संरचनावाद के अनुसार साहित्य ..... संरचना है।

(3) मृत्युबोध को केन्द्र में रखकर चलने वाला वाद है :

(i) अस्तित्ववाद

(ii) अभिव्यंजनावाद

(iii) संरचनावाद

(4) "कविता मानव मन की बलवती भावनाओं का सहज उच्छलन है।" किसका कथन है ?

(5) 'अस्तित्ववाद' का प्रवर्तक माना जाता है :

(i) रूसो

(ii) कीर्केगार्ड

(iii) कार्लमार्क्स

(6) "शैलीविज्ञान का संबंध एक ओर साहित्यशास्त्र से है तो दूसरी ओर भाषा विज्ञान से।"

(कथन सत्य/असत्य)

(7) 'परम्परा की परिकल्पना' का सिद्धांत ..... ने प्रस्तुत किया।

(i) टी.एस.इलियट

(ii) लौंजाइनस

(iii) प्लेटो

(8) मनोविश्लेषणवाद का प्रवर्तक किसे माना जाता है ?

(9) 'पेरिइप्सुस' का रचनाकार है :

(i) प्लेटो

(ii) अरस्तू

(iii) लौंजाइनस

(10) साहित्यकार और रचना की युगीन परिस्थितियों का अध्ययन करके रचना का मूल्यांकन करने वाली आलोचना ..... कहलाती है।

(i) ऐतिहासिक

(ii) तुलनात्मक

(iii) सौन्दर्यशास्त्री

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(11) साहित्य को जीवन की आलोचना किसने कहा है ?

(12) 'त्रासदी' के कुल कितने अंग हैं ?

(i) चार

(ii) आठ

(iii) छः

(13) प्लेटो कविता को उसी सीमा तक ग्राह्य मानता था, जिस सीमा तक वह राज्य तथा मानव जीवन के लिए लाभप्रद हो। (कथन सत्य/असत्य)

(14) साहित्य के ऐतिहासिक तथा गतिशील पक्ष के संबंध का उद्‌घाटन करने वाली आलोचना है :

(i) समाजशास्त्रीय आलोचना

(ii) ऐतिहासिक आलोचना

(iii) तुलनात्मक आलोचना

(15) 'द रिपब्लिक' का रचनाकार है :

(i) प्लेटो

(ii) इलियट

(iii) अरस्तू

(16) व्यक्तिवाद एक प्रमुख प्रवृत्ति है :

(i) स्वच्छन्दतावाद

(ii) मनोविश्लेषणवाद

(iii) अभिजात्यवाद

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com